Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

C.B.S.E

कक्षा : 10

हिन्दी A – 2012

(Outside Delhi)

[Summative Assessment II (CCE)]

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 90**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं-क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 x 5 = 5**

पाटलिपुत्र पहुँचकर यूनानी दूत मेगास्थनीज आचार्य विष्णुगुप्त से भेंट करने के लिए नगर की सीमा से बाहर स्तिथ उनकी कुटिया पर जब पहुँचा, उस समय शाम ढलने ही वाली थी, अँधेरा छाने लगा था। मेगास्थनीज ने बाहर से ही देखा कि आचार्य अपने आसन पर बैठे कुछ काम करने में लगे हुए है। प्रकाश की व्यवस्था के लिए वहीं रखी एक तिपाई पर दीया जल रहा था। मेगास्थनीज के द्वार के निकट पहुचने पर आचार्य ने उसे भीतर आकर स्थान ग्रहण करने का संकेत किया और स्वयं अपने कार्य में तल्लीन रहे। कुछ समय के उपरांत उन्होंने अपना कार्य समाप्त करके प्रकाशमान दीपक को बुझा दिया और पास ही रखा एक अन्य दीपक जला लिया। मेगास्थनीज सोचने लगा कि जब एक दीपक जल ही रहा था तो आचार्य ने उसे बुझाकर दूसरा दीपक क्यों जलाया? उससे रहा नहीं गया और उसने आचार्य से इसका कारण पूछ ही लिया। आचार्य ने सहजता से कहा, ‘ तुम जब यहाँ आए, तब मैं जो काम कर रहा था, वह राज्य-व्यवस्था से सम्बंधित था और तब जो

Please Visit www.ncerthelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

दीपक जल रहा था, उसका खर्च शासन-तंत्र उठाता है। लेकिन अब चूँकि वह कार्य समाप्त हो गया, इसलिए मैंने वह दीपक बुझा दिया। अभी जो दीपक जला रखा है उसके खर्च का वहन मैं अपनी आय से करता हूँ। मैं अपने व्यक्तिगत कार्य के लिए राज्य के संसाधन का दुरुपयोग कैसे कर सकता हूँ?'

1. आचार्य विष्णुगुप्त कहाँ रहते थे?

(क) पाटलिपुत्र के भव्य भवन में। (ख) गाँव की एक मामूली झोपड़ी में।
(ग) नगर की सीमा से बाहर कुटिया में। (घ) गंगातट पर बने आश्रम में।

2. मेगास्थनीज की सोच का कारण था-

(क) विष्णुगुप्त का कुटिया में निवास करना।
(ख) उनका अत्यन्त व्यस्त रहना।
(ग) एक दीपक बुझाकर अन्य दीपक जलाना।
(घ) अपने कार्य को समय पर निबटाना।

3. मेगास्थनीज ने आचार्य से क्या पूछा?

(क) उनके स्वास्थ्य की कुशल। (ख) दूसरा दीपक जलाने का कारण।
(ग) राज्य-व्यवस्था के बारे में। (घ) राज्य की प्रजा के विषय में।

4. दीपक की घटना संदेशवाहक है-

(क) प्रशासक की कर्मठता की।
(ख) प्रशासक की नैतिक जवाबदेही की।
(ग) प्रशासक की कुशल प्रशासन शैली की।
(घ) राज्य के प्रति प्रशासकीय निष्ठा की।

5. 'दुरुपयोग शब्द' में उपसर्ग है-

(क) दु (ख) दुर

(ग) दुरु (घ) दूर

प्र. 2. प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 x 5 = 5**

जीवन का कोई भी रास्ता सफल अथवा निर्बाध नहीं होता। कामयाबी के हर रास्ते में कई मुश्किलों का आना तय है। हर बड़ी सफलता के पीछे अनेक छोटी-छोटी असफलताएँ छिपी रहती हैं।

किसी बडे पत्थर के टुकड़े करने के लिए हमें उस पर असंख्य प्रहार करने पडते है। अंत में एक प्रहार ऐसा होता है कि वह पत्थर को दो टुकड़ो में बाँट देता है। लेकिन क्या अंतिम प्रहार पहले किए गए प्रहार से पहले किए गए सारे प्रहार निरर्थक थे? नहीं। ऊपर से बेशक पहले का हर प्रहार निरर्थक लगता हो लेकिन हर प्रहार पूरी तरह सार्थक था क्योंकि उन प्रहारों में ही बेशक पहले का हर प्रहार निरर्थक लगता हो लेकिन हर प्रहार पूरी तरह सार्थक था क्योंकि उन प्रहारों में ही अंतिम प्रहार की सफलता छिपी हुई थी। हर चोट ने निरंतर उस पत्थर को टूटने के अधिकाधिक निकट ला दिया था। वास्तव में थोडी-बहुत असफलताओं के बिना सफलता संभव ही नहीं।

व्यक्ति अपनी सफलताओं की बजाय असफलताओं से सीखता है। हर असफलता से उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलता है। सफलता के बाद हम कभी अपना पुनर्मूल्यांकन नही करते। समस्या आए बगैर हम रास्ता नहीं खोजते। समस्याएँ ही हमें उपाय खोजने के लिए प्रेरित करती है, हमें चिंतनशील बनाती हैं, हममें धैर्य का विकास करती हैं। ठोकर खाने के बाद ही हम अपनी असफलता का कारण जानने का प्रयास करते है। उसके बाद ही नए सिरे से आगे बढ़ने के लिए अपनी क्षमता का विकास करते हैं।

जीवन की हर असफलता किसी बड़ी सफलता का आधार बनती है।

1. बड़ी सफलता के पीछे असफलताएँ छिपी रहती हैं, क्योंकि
   (क) दुनिया में फूलों के साथ काँटे भी होते हैं।
   (ख) रुकावटों को हटाकर ही आगे बढ़ा जाता है।
   (ग) जीवन का कोई भी मार्ग बाधा रहित नहीं होता।
   (घ) प्रत्येक कार्य में रुकावटें किसी-न-किसी रुप में आती ही हैं।

2. पत्थर पर पड़ने वाले असंख्य प्रहार सिद्ध करते हैं कि
   (क) छोटी-छोटी असफलताओं को जीतकर ही बड़ी सफलता मिलती है।
   (ख) बढ़ा पत्थर लगातार छोटे प्रहारों से ही टूटता है।
   (ग) उन पर ही अंतिम प्रहार की सफलता छिपी है।
   (घ) पत्थर बड़े प्रहार से नहीं टूट सकता।

3. व्यक्ति सफलताओं की बजाय असफलताओं से अधिक सीखता है, क्योंकि
   (क) असफलताएँ उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर देती हैं।
   (ख) सफलताएँ यह अवसर नहीं देतीं।
   (ग) सफलता प्राप्ति पर व्यक्ति निश्चिन्त हो जाता है।
   (घ) असफलताएँ उसको सफलता के लिए प्रेरित करती हैं।

4. गद्याश का उपयुक्त शीर्षक है
   (क) सफलता का मार्ग
   (ख) सफलता और असफलता
   (ग) असफलताओं से प्रेरणा
   (घ) असफलता सफलता का आधार

5. 'आधार' का पर्यायवाची शब्द है

(क) धारदार

(ख) स्तर

(ग) बुनियाद

(घ) जड

प्र. 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछेगए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 x 5 = 5**

मान लूँ मैं हार कैसे

रोकना मुझको असंभव रुप की मदिरा पिलाकर,

ईंट-पत्थर औरे काँटे राह में मेरी बिछाकर,

रुक नहीं सकता कदम गर उठ गया जलती चिता पर,

उठ गया तो क्या चिता, शव उठ चलेगा साथ पथ पर,

सौंप दूँ दुर्भाग्य को अपना मनुज-अधिकार कैसे?

आज अंतर-प्यास मेरी रस नहीं, विष चाहती है,

दग्ध प्राणों में प्रलय की गूँज भरना चाहती है।

चाहता मन सिंधु-नभ-थल-गिरी-अतल को जीत लेना,

जिंन्दगी मेरी कहीं पर भी न रुकना चाहती है,

मैं मरुस्थल का पथिक हूँ, सींच दूँ रसधार कैसे?

1. लक्ष्य की ओर बढ़ते पथिक के मार्ग में बाधक नहीं है

(क) रुप की मदिरा।

(ख) मार्ग की बाधाएँ।

(ग) दुर्भाग्य का अभिशाप।

(घ) जलती चिता।

2. अपराजेय पथिक हार न मानता हुआ चाहता है

(क) मदिरा द्वारा अन्तर की प्यास बुझाना।

(ख) उत्साही जीवन में विनास की हुंकार भरना।

(ग) मार्ग की बाधाओं को हटाना।

(घ) विजय के मार्ग को प्रशस्त करना।

3. पथिक किस पर विजय प्राप्त करना चाहता है

(क) पथ की बाधाओं पर।

(ख) मरुभूमि जैसे रसहीन जीवन पर।

(ग) सागर, आकाश, भूमि और पर्वत पर।

(घ) गतिहीन जीवन पर।

4. 'मैं मरुस्थल का पथिक हूँ' पंक्ति का आशय है

(क) मैं रेतीले मैदान का बटोही हूँ।

(ख) मैं युध्दस्थली का योध्दा हूँ।

(ग) मैं कंटकाकीर्ण मार्ग पर चलने का आदी हूँ।

(घ) गतिहीन जीवन पर।

5. मनुज-अधिकार में समास है

(क) द्विगु

(ख) कर्मधारय

(ग) तत्पुरुष

(घ) बहुव्रीहि

प्र. 4. नीचे लिखे पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 x 5 = 5**

धूप की तपन खुद सहने
छाँव सबको देने का प्रण
पेडों ने लिया,
धूप ने बदले में
फूलों को रंगीन
पेड़ों को हरा-भरा कर दिया।
हजारों मील चलकर
गई थीं जो नदियाँ
और मीठा पानी खारी समंदर को दिया
बदल गया इतना मन समंदर का
रख लिया खारीपन पास अपने
और बादलों के हाथ
भेजा मीठे जल का तोहफा
नदियों को फिर जिसने भर दिया।

1. पेड़ों की प्रतिज्ञा है

(क) सबको फल देना। (ख) धूप की तपन लेना।

(ग) स्वयं कष्ट उठाकर सुख देना। (घ) संसार का हित करना।

2. बदले में धूप पेड़ों को देती है

(क) शीतल छाया। (ख) फूलों की सुगंध।

(ग) पत्तों की हरियाली। (घ) शाखाओं की मजबूती।

3. नदियाँ हजारों मील किसलिए चलती हैं?

(क) प्राणियों की प्यास बुझाने के लिए।

(ख) भूमि को उर्वर बनाने के लिए।

(ग) सागर को मीठा जल देने के लिए।

(घ) मरुस्थल को सरस बनाने के लिए।

4. सागर नदियों का ऋण चुकाता है

(क) उनके मीठेपानी को स्वीकार कर।

(ख) उनके खारी जल का उपहार देकर।

(ग) मेघों के माध्यम से मीठा जल भेजकर।

(घ) नदियों की बाढ़ का कारण बनकर।

5. कविता का संदेश है

(क) जैसे के साथ तैसा व्यवहार।

(ख) अपकारी के प्रति उपकार का भाव।

(ग) उपकारी के प्रति गहन कृतज्ञता।

(घ) कृतघ्नता का अभिशाप।

खंड - ख

प्र. 5. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांक्ति शब्दों का पद-परिचय दीजिए : **1 x 5 = 5**

1. उसने उनके <u>अनुकरणीय</u> जीवन को नमन किया।

उत्तर :

2. उन्होंने <u>श्रध्दांजलि</u> अर्पित की।

उत्तर :

3. वे माँ की स्मृति में <u>अक्सर</u> डूब जाते।

उत्तर :

4. <u>जैसा</u> करोगे, वैसा भरोगे।

उत्तर :

5. <u>प्रिया।</u> तुम सचमुच बहुत अच्छी हो।

उत्तर :

प्र. 6. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए : **1 x 5 = 5**

1. वे भारत आए और 73 वर्ष की जिंदगी जीकर स्वर्गवासी हो गए (सरल वाक्य में)

उत्तर :

2. हमारी गोष्ठियों में वे गम्भीर बहस करते। (सतल वाक्य में)

उत्तर :

3. स्वास्थ्य ठीक होने पर मैं भी आपके साथ चलता। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर :

5. यदि इस बार वर्षा न हुई तो सारी फसल नष्ट हो जाएगी।
(सरल वाक्य में)

उत्तर :

प्र. 7. निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए : **1 x 5 = 5**

1. बालक पत्र लिखता है। (कर्मवाच्य)

उत्तर :

2. बच्चों से खेला जाएगा। (कर्तृवाच्य में)

उत्तर :

3. मैंने खाना खाया। (कर्मवाच्य में)

उत्तर :

4. राम नहीं सोता। (भाववाच्य में)

उत्तर :

5. बच्चे जगह-जगह पेड़ लगा रहे हैं। (कर्मवाच्य में)

उत्तर :

प्र. 8. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए : **1 x 5 = 5**

1. नीलकमल-सी आँखें उसकी, आज न जाने क्या-क्या कह गईं।
2. पाकर प्रथम प्रेम भरी पाती प्यारी प्रियतम की।
3. ऊषा सुनहले तीर बरसाती जय लक्ष्मी-सी उदित हुई।
4. मैया मैं तो चन्द्र खिलौना लैहों।
5. पानी गए न ऊबरे मोती मानुस चून।

खंड - ग

प्र. 9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए : **1 x 5 = 5**

भारतरत्न से लेकर इस देश के ढ़ेरों विश्वविदयालयों की मानद उपाधियों से अलंकृत वह संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार एवं पदमविभूषण जैसे सम्मानों से नही, बल्कि अपनी अजेय संगीतयात्रा के लिए बिस्मिल्ला खाँ साहब भविष्य में हमेशा संगीत के नायक बने रहेंगे। नब्बे वर्ष की भरी-पूरी आयु में 21 अगस्त, 2006 को संगीत-रसिकों की हार्दिक सभा से विदा हुए खाँसाहब की सबसे की सबसे बड़ी देन हमें यही है कि पूरे अस्सी बरस उन्होंने संगीत को संपूर्णता व एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिंदा रखा।

1. बिस्मिल्ला खाँ को प्राप्त सर्वोच्च सम्मान था
   (क) पदमविभूषण।
   (ख) संगीत नाटक अकादमी का पुरस्कार।
   (ग) विश्वविदयालयों की मानद उपाधियाँ।
   (घ) भारतरत्न।

2. बिस्मिल्ला खाँ हमेशा के लिए संगीत के नायक क्यों बने रहेंगें?

(क) शहनाई की जादुई आवाज के कारण।

(ख) सातों सुरों को बरतने की तमीज के कारण।

(ग) भाईचारे की भावना को मजबूत करने के कारण।

(घ) अजेय संगीतयात्रा के कारण।

3. बिस्मिल्ला खाँ की सबसे बड़ी देन है

(क) संगीत-रसिकों को रसविभोर करना।

(ख) संगीत की शास्त्रीय परम्परा को जागृत रखना।

(ग) संगीत की पूर्णता एवं ज्ञान की इच्छा को जीवन-भर सँजोए रखना।

(घ) एक सच्ची इन्सानियत का उदाहरण पेश करना।

4. संगीत नाटक अकादमी क्या है और कहाँ स्तिथ है?

(क) दिल्ली में, संगीत और नाटकों का आयोजन करने वाली संस्था।

(ख) दिल्ली में, संगीतकारों एवं नाटककारों का एक संगठन।

(ग) नई दिल्ली में स्तिथ एक विश्वविदयालय।

(घ) नई दिल्ली सिथत संगीत और नाटयकला से संबध्द संस्था।

5. 'खाँ साहब की सबसे बड़ी देन हमें यही है कि पूरे अस्सी बरस उन्होंने संगीत को संपूर्णता व एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिंदा रखा।'-प्रस्तुत वाक्य का प्रकार है

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) असाधारण वाक्य

जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर आग का व सुई-धागे का अविष्कार हुआ, वह व्यक्ति-विशेष की संस्कृति; और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ, जो चीज उसने अपने तथा दूसरों के लिए आविष्कृत की, उसका नाम है सभ्यता।

जिस व्यक्ति में पहली चीज, जितनी अधिक व जैसी परिष्कृत मात्रा में होगी, वह व्यक्ति उतना ही अधिक व वैसा ही परिष्कृत आविष्कर्ता होगा। एक संस्कृत व्यक्ति किसी नयी चीज की खोज करता है; किन्तु उसकी संतान को अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है।

1. लेखक के अनुसार व्यक्ति-विशेष की संस्कृति का स्वरुप है-
   (क) व्यक्ति-विशेष द्वारा की गई खोज।
   (ख) व्यक्ति-विशेष द्वारा उपयोगी वस्तुओं अनुसंधान।
   (ग) व्यक्ति-विशेष की उत्कट अभिलाषा जो खोज के लिए प्रेरित करती है।
   (घ) आविष्कार कराने वाली योग्यता और प्रवृत्ति।

2. सभ्यता नाम है उस वस्तु का
   (क) जो खोजी गई है।
   (ख) जो उपयोगी है।
   (ग) जो उपयोगी और संस्कृति द्वारा आविष्कृत है।
   (घ) जो अपने आप में विशिष्ट है।

3. परिष्कृत आविष्कर्ता कौन होता है-

(क) जो उपयोगी वस्तुओं की खोज करे।

(ख) जो विशिष्ट पदार्थों का अनुसंधान करे।

(ग) जो नई-नई खोजों को प्रस्तुत करे।

(घ) जो पूर्णत: परिष्कृत हो।

4. वास्तविक संस्कृत व्यक्ति कहा जाता है उसको-

(क) जो उपयोगी वस्तुओं की खोज करे।

(ख) जो उपयोगी वस्तुओं का निर्माण करता है।

(ग) जो पूर्वजों से प्राप्त वस्तुओं का परिष्कार करता है।

(घ) जो विवेक के आधार पर किसी नए तथ्य का दर्शन करता है।

5. 'एक संस्कृत व्यक्ति किसी नयी चीज की खोज करता है; किन्तु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही हो जाती है।' प्रस्तुत वाक्य का प्रकार है-

(क) सरल (ख) संयुक्त

(ग) मिश्र (घ) योजक

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

प्र. 10. स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते है। - कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदी जी ने कैसे किया, स्पष्ट कीजिए। 4

उत्तर :

_____

_____

_____

_____

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : **2 x 3 = 6**

(क) 'एक कहानी यह भी' लेखिका ने अपनी माँ को व्यक्तित्वहीन क्यों कहा है?

(ख) 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कतर्कों का खंडन' पाठ के लेखक ने स्त्री-शिक्षा के विषय में जो विचार प्रकट किए हैंउन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

(ग) किन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ? स्पष्ट कीजिए।

प्र. 12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1 x 5 = 5

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।

आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।

सेवक सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई।।

सुनह राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाह सम सो रिपु मोरा।।

(क) पद्यांश के आधार पर राम के स्वभाव की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) परशुराम ने सेवक और 'शत्रु' किसको कहा है **?**

(ग) 'सहसबाह' कौन था?

(घ) इन पंक्तियों से दो तदभव शब्द छाँटकर लिखिए।

(ङ) 'सहसबाह सम सो रिपु मोरा' में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए।

अथवा

दुविधा-हत साहस है, दिखता हैपंथ नहीं,

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छुना

मन, होगा दुख दूना।

(क) इन पंक्तियों में कवि ने किसकी शोभा का वर्णन किया है ?

उत्तर :

_____

_____

(ख) इन पंक्तियों का संबंध आधुनिक काल की किस काव्यधारा से है?

उत्तर :

_____

_____

(ग) फागुन में वृक्षों की डालियाँ कैसी लगती हैं ?

उत्तर :

_____

_____

(घ) कवी की आँखे कहाँ से नहीं हट पातीं ?

उत्तर :

_____

_____

(ड) इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने क्या सन्देश दिया है?

उत्तर :

_____

_____

प्र. 13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : **2 x 5 = 10**

(क) राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में परशुराम ने अपने विषय में क्या कहा

उत्तर :

_____

_____

_____

_____

ुआ है **?**

उत्तर :

(ग) कन्यादान कविता में माँ अपनी बेटी के विषय में क्या कामना करती है **?**

उत्तर :

(घ) "कभी-कभी तारसप्तक की ऊँचाई पर पहुँचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरता नजर आता है, उस समय संगतकार उसे बिखरने से बचा लेता है।" इस कथन के आलोक में संगतकार की विशेष भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

(ङ) कन्यादान कविता का सन्देश स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

आए है लिखें। 4

उत्तर :

प्र.15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : **2 x 3 = 6**

(क) सैलानियों को प्रकृति की अलौकिक छटा का अनुभव करवाने में किन-किन लोंगो का योगदान होता है, उल्लेख कीजिए।

उत्तर :

(ख) जलाए जाने वाले विदेशी वस्त्रों के ढेर में अधिकांश वस्त्र फटे-पुराने थे परन्तु दुलारी द्वारा विदेशी मिलों में बनी कोरी साडियों का फेंका जाना उसकी किस मानसिकता को दर्शाता है

उत्तर :

ूँ में लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेख्न में कहीं अधिक मदद करती है

उत्तर :

_____

_____

_____

_____

खंड - घ

प्र. 16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निबंध लिखिए : 5

(क) विदयालय का वार्षिक उत्सव

- विदयालय का जीवन, वार्षिक उत्सव का दिन, उत्सव का विवरण, आपकी भूमिका।

(ख) परिश्रम ही जीवन का आाधार

- परिश्रम का महत्व, जीवन में उसकी उपयोगिता, भागयवाद का निराकरण।

प्र. 17. छोटे भाई को पत्र लिखकर मालूम कीजिए कि उसकी पढाई कैसी चल रही है साथ ही उसे पढाई के सम्बंध में कुछ उपयोगी बातें भी बताइए। 5

अथवा

अपने नगर के चिड़ियाघर को देखने पर वहाँ की अव्यवस्था से आपको बहुत दुख हुआ। इस अव्यवस्था के प्रति चिड़ियाघर के निर्देशक का ध्यान आकृष्ट करते हुए एक पत्र लिखिए।